अध्याय -14
श्रमिक शिक्षा

14.1 राष्ट्रीय, क्षेत्रीय, इकाई और ग्रामीण स्तरों पर श्रमिक शिक्षा योजना के कार्यान्वयन हेतु सन् 1958 में श्रम और रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में नागपुर में केन्द्रीय श्रमिक शिक्षा बोर्ड (सी बी डब्ल्यू ई) की स्थापना की गई ।

- त्रिपक्षीय प्रकृति वाले इस बोर्ड में केन्द्रीय श्रमिक संगठनों, नियोजकों, केन्द्र एवं राज्य सरकारों और शिक्षण संस्थानों के प्रतिनिधि शामिल हैं ।
- देश के सामाजिक-आर्थिक विकास में श्रमिकों की भागीदारी को प्रभावी बनाने हेतु उनके अधिकारों और दायित्वों के प्रति श्रमिक वर्गों में जागरूकता लाने की जरूरत है ।
- संगठित, असंगठित, ग्रामीण और अनौपचारिक क्षेत्रों में कार्यरत श्रमिकों के लिए बोर्ड विविध प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन करता है। जिसे **तालिका 14.1** में दर्शाया गया है।
- बदले हुए परिप्रेक्ष्य को ध्यान में रखकर कामगारों, श्रमिक संघों और प्रबंधनों की व्यापक शैक्षणिक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए बोर्ड के कार्यक्रम में नए अभिविन्यास, दिशा और आयाम झलकते हैं ।

संरचना

14.2 केन्द्रीय श्रमिक शिक्षा बोर्ड के प्रमुख चेयरमैन हैं । इसका

मुख्यालय नागपुर में है । निदेशक, बोर्ड के मुख्य कार्यपालक अधिकारी हैं, जिनकी सहायतार्थ एक अपर निदेशक, उप निदेशक और वित्तीय सलाहकार आदि हैं । बोर्ड 50 क्षेत्रीय तथा 9 उप क्षेत्रीय निदेशालयों के माध्यम से कार्य करता है । चेन्नई, दिल्ली, गुवाहाटी, मुंबई तथा कोलकाता स्थित पांच जोनल निदेशालय संबंधित जोन में स्थित क्षेत्रीय निदेशालयों के कार्यों का अनुवीक्षण करते हैं । प्रत्येक क्षेत्रीय निदेशालय के लिए गठित त्रिपक्षीय क्षेत्रीय सलाहकार समितियाँ योजना की प्रगति की समीक्षा करती हैं और श्रमिक शिक्षा कार्यक्रम के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए उपायों की सिफारिश करती हैं । बोर्ड के शीर्ष स्तर के प्रशिक्षण संस्थान के रूप में सन् 1970 में मुंबई में भारतीय श्रमिक शिक्षा संस्थान (आई.आइ.डब्ल्यू.ई.) की स्थापना की गई ।

बोर्ड के प्रशिक्षण कार्यक्रम

14.3 संगठित क्षेत्र में कार्यरत श्रमिकों के लिए बोर्ड तीन स्तरों के प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित करता है ः

- प्रथम स्तर पर शिक्षा अधिकारी के रूप में चयनित उम्मीदवारों को प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है । प्रशिक्षण के सफलतापूर्वक पूरा होने पर ये शिक्षा अधिकारी अपने तैनाती केन्द्रों से विविध कार्यक्रमों का संचालन करते हैं।

- द्वितीय स्तर पर, श्रमिक संघों द्वारा प्रायोजित तथा नियोक्ताओं द्वारा मुक्त किए गए विभिन्न

प्रतिष्ठानों/संस्थानों के श्रमिकों को प्रशिक्षित किया जाता है । इन प्रशिक्षित कामगारों को प्रशिक्षक कहा जाता है ।

- तृतीय स्तर पर, प्रशिक्षक अपने संस्थानों के अन्य सामान्य श्रमिकों के लिए कक्षाओं का संचालन करते हैं।

राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम

14.4 भारतीय श्रमिक शिक्षा संस्थान, केन्द्रीय श्रमिक संघ संगठनों/परिसंघों तथा स्वैच्छिक संगठनों के प्रतिनिधियों के लिए विभिन्न विषयों पर कार्यक्रमों का संचालन करने के अलावा, बोर्ड के शिक्षा अधिकारियों को रोजगार पूर्व प्रशिक्षण देने एवं क्षेत्रीय निदेशकों तथा शिक्षा अधिकारियों के लिए पुनराभिविन्यास का भी आयोजन करता है । श्रमिक संघों द्वारा कुछ विशेष मुद्दों को हल करने के लिए विशिष्ट प्रशिक्षण आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए उक्त संस्थान में तीन निम्नांकित प्रकोष्ठ स्थापित किए गए हैं ः

1) औद्योगिक स्वास्थ्य, सुरक्षा और पर्यावरण 2) ग्रामीण और असंगठित क्षेत्र के कामगारों के लिए शिक्षा तथा; 3) महिला और बाल श्रम। अप्रैल, 2006 से सितम्बर, 2006 तक की अवधि के दौरान संस्थान द्वारा आयोजित कार्यक्रमों का विवरण **तालिका 14.2** में दिया गया है ।

क्षेत्रीय स्तर पर कार्यक्रम

14.5 अप्रैल, 2006 से सितम्बर, 2006 की अवधि के दौरान क्षेत्रीय निदेशालयों द्वारा संचालित प्रशिक्षण कार्यक्रमों का विस्तृत

विवरण, जिनमें इकाई स्तर की कक्षाओं, ग्रामीण कामगारों और असंगठित क्षेत्रों तथा कमजोर वर्गों के श्रमिकों के लिए विशेष कार्यक्रम शामिल हैं, **तालिका 14.1** में दर्शाये गए हैं ।

असंगठित श्रमिकों को संगठित करना तथा ग्रामीण स्वयं सेवकों का प्रशिक्षण

14.6 प्रारम्भ में बोर्ड की गतिविधियाँ संगठित क्षेत्र में केन्द्रित थीं । श्रमिक शिक्षा पुनरीक्षण समिति की सिफारिशों को देखते हुए बोर्ड ने 1977-78 से ग्रामीण क्षेत्र पर बल देना आरम्भ किया है । आरम्भ में ग्रामीण श्रमिक शिक्षा कार्यक्रमों की सात (7) प्रायोगिक परियोजनाएं शुरू की गई थीं । अब वे नियमित एवं अनवरत कार्यक्रम बन चुके हैं। इस कार्यक्रम के निम्नांकित उद्देश्य हैं ः

- श्रमिक एवं नागरिक के रूप में समस्याओं, विशेषाधिकारों और दायित्वों के प्रति विवेचनात्मक जानकारी को बढ़ावा देना;
- आत्मविश्वास में वृद्धि करना तथा वैज्ञानिक धारणाओं को जगाना;
- श्रमिकों को उनके संगठनों के विकास के लिए शिक्षित करना ताकि उसके माध्यम से वे ग्रामीण अर्थव्यवस्था में सामाजिक-आर्थिक कार्यकलापों तथा दायित्वों की पूर्ति कर सकें और ग्रामीण समाज के लोकतांत्रिक धर्मनिरपेक्ष

और सामाजिक ढाँचे को मजबूत कर सकें;

- परिवार कल्याण योजना तथा सामाजिक बुराइयों को दूर करने के लिए प्रेरित करना ।

14.7 ग्रामीण जागरूकता शिविरों के संचालन में शिक्षा अधिकारियों की मदद करने हेतु ग्रामीण स्वयं सेवकों को क्षेत्रीय निदेशालयों पर एक सप्ताह का अभिविन्यास/पुनश्चर्या प्रशिक्षण दिया जाता है। इन शिविरों में भूमिहीन मजदूर, जनजातीय मजदूर, ग्रामीण दस्तकार, वनकर्मी और शिक्षित बेरोजगार भाग लेते हैं।

14.8 बोर्ड द्वारा हथकरघा, विद्युतकरर्घा, खादी और ग्रामोद्योग, औद्योगिक सम्पदाओं, लघु इकाइयों, हस्तकला, रेशम उद्योग, चटाई उद्योग, बीड़ी उद्योग में कार्यरत श्रमिकों तथा दुर्बल वर्गों के श्रमिकों - जैसे महिला मजदूरों, अपंग मजदूरों, रिक्शाचालकों, निर्माण कार्य में लगे मजदूरों, नागरिक और सफाई श्रमिकों की कार्यात्मक और शैक्षणिक जरूरतों पर आधारित बने-बनाए कार्यक्रम, 4 दिवसीय शिविर, विशेष कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जाता है ।

निष्पादन

14.9 अप्रैल, 2006 से सितम्बर, 2006 की अवधि के दौरान बोर्ड ने विभिन्न अवधियों के 3769 कार्यक्रमों को आयोजित किया और विभिन्न क्षेत्रों के 1,27,668 श्रमिकों को प्रशिक्षित किया । विस्तृत विवरण **तालिका 14.3** में दर्शाया गया है।

प्रमुख उपलब्धियाँ

संचेतना शिविर

14.10 ग्रामीण शिविरों पर समिति की सिफारिशों के अनुसरण में, बोर्ड ने वित्तीय वर्ष 2003-2004 में 04 दिवसीय संचेतना शिविरों को आरम्भ किया। अप्रैल, 2006 से सितम्बर, 2006 के दौरान आयोजित 245 संचेतना शिविरों में कुल 9593 श्रमिक (असंगठित, कमजोर एवं ग्रामीण सेक्टर सहित) लाभान्वित हुए।

श्रम कल्याण एवं विकास कार्यक्रम

14.11 श्रम और रोजगार मंत्रालय ने सरकार की विभिन्न श्रम कल्याण योजनाओं के बारे में ग्रामीण/असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों में उनके अपने सामाजिक-आर्थिक विकास हेतु जागरूकता निर्माण करने का कार्य केन्द्रीय श्रमिक शिक्षा बोर्ड को सौंपा है। तदनुसार, बोर्ड ने वर्ष 2003-2004 से अपने 50 क्षेत्रीय निदेशालयों द्वारा इन योजनाओं को कार्यान्वित करने के लिए ग्रामीण/असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के लिए दो दिवसीय **'श्रम कल्याण एवं विकास'** नामक एक नये कार्यक्रम की रूपरेखा बनाई और उसे आरंभ भी किया है । अप्रैल, 2006 से सितम्बर, 2006 तक की अवधि के दौरान, बोर्ड ने श्रम कल्याण एवं विकास कार्यक्रमों के अंतर्गत 16,888 ग्रामीण एवं असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के लिए 429 जागरूकता सृजन कार्यक्रमों का आयोजन किया। इसके अलावा, बोर्ड द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रमों में प्रतिभागियों में वितरण हेतु पुस्तिकाओं एवं पर्ची के रूप में रचनात्मक अध्ययन सामग्री को रिपोर्टाधीन वर्ष के दौरान अंतिम रूप दिया जा रहा था ।

विशेष स्वयंकोष निर्माण कार्यक्रम

14.12 कार्यसंस्कृति में सुधार लाने, व्यक्तिगत संबंधों के विकास इत्यादि को ध्यान में रखते हुए बोर्ड ने पहली बार मध्यम/वरिष्ठ स्तरीय कार्यपालकों तथा श्रम संघ नेताओं के लिए विशेष स्वयंकोष निर्माण कार्यक्रम के अंतर्गत एक अनुपम प्रशिक्षण कार्यक्रम आरंभ किया है । अप्रैल, 2006 से सितम्बर, 2006 तक की अवधि के दौरान आयोजित एक विशेष स्वयंकोष निर्माण कार्यक्रम से 103 प्रतिभागी लाभान्वित हुए ।

साहित्य और श्रव्य-दृश्य साधन

14.13 पाठ्य एवं सचित्र पुस्तिकाओं के रूप में सरल साहित्य का भारतीय भाषाओं में प्रकाशन किया जाता है । इन पुस्तिकाओं को 5/- रु. की रियायती कीमत पर श्रमिकों के लिए उपलब्ध कराया जाता है । इन पुस्तिकाओं का पुनर्मुद्रण एवं संशोधित संस्करण तैयार किया जाता है । बोर्ड ने अप्रैल, 2006 से सितम्बर, 2006 के दौरान मलयालम तथा तमिल भाषा में मूल पाठ वाली पुस्तिकाओं के रूप में 16 शीर्षक प्रकाशित किए हैं। प्रतिभागियों की कक्षा में अभिरुचि तथा शिक्षण-अध्ययन प्रक्रिया को अधिक सुरुचिपूर्ण एवं महत्वपूर्ण बनाए रखने के लिए **श्रव्य-दृश्य** साधनों को पोस्टर्स, फ्लिप बुक, सचित्र पुस्तिकाओं, फ्लिप चार्ट्स इत्यादि के रूप में भी प्रकाशित किया गया है । सामाजिक सुरक्षा पहलुओं पर दो फ्लिप पुस्तकों का अंतिम रूप दिया गया ।

पत्रिका

14.14 अप्रैल, 2006 से सितम्बर, 2006 तक की अवधि के दौरान, "श्रमिक " शिक्षा त्रैमासिक पत्रिका के 2 अंक, जून, 2006, सितम्बर, 2006 का प्रकाशन किया गया ।

अध्ययन सामग्री

14.15 भारतीय श्रमिक शिक्षा संस्थान तथा क्षेत्रीय निदेशालयों में अध्ययनपूरक सामग्री के रूप में बोर्ड ने अध्ययन सामग्री के रूप में परिसंवाद लेख, विषय विशेष अध्ययन, चर्चा बिंदु आदि तैयार किए हैं ।

केन्द्रीय श्रमिक शिक्षा बोर्ड न्यूज एवं समाचार

14.16 अप्रैल, 2006 से सितम्बर, 2006 तक अंग्रेजी में "केन्द्रीय श्रमिक शिक्षा बोर्ड न्यूज" तथा हिन्दी में "समाचार" के मासिक अंकों का प्रकाशन किया गया है।

सहायता अनुदान

14.17 बोर्ड, पंजीकृत श्रमिक संघों तथा अन्य संस्थानों को उनके अपने श्रमिक शिक्षा कार्यक्रमों का संचालन करने के लिए सहायता अनुदान प्रदान करता है । बोर्ड की सहायता अनुदान योजना वर्ष 1960 में प्रारम्भ की गई थी और तब से इसे पर्याप्त रूप से विकसित किया गया है । श्रमिक संघों से प्राप्त सुझावों तथा मांगों को ध्यान में रखने के पश्चात् इसे समय पर संशोधित किया गया था । तद्नुसार, श्रमिक संघों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए सहायता अनुदान योजना

के नियमों तथा कार्यप्रणाली को सरल बनाया गया है । श्रमिक संघ संगठनों की स्थानीय जरूरत के मुताबिक 3 से 7 दिन की अवधि के पूर्णकालिक आवासीय तथा गैर आवासीय कार्यक्रमों हेतु सहायता अनुदान उपलब्ध है । गारंटी में शामिल किये जाने वाले विषयों तथा प्रतिभागियों की संख्या में लोचनीयता की अनुमति है । सहायता अनुदान योजना का ग्रामीण कामगारों पर भी विस्तार किया गया है ।

14.18 बोर्ड के शासी निकाय द्वारा गठित उप-समिति की सिफारिश पर और तत्पश्चात् 9 नवम्बर, 2004 को नई दिल्ली में आयोजित इसकी 143वीं बैठक में इसके अनुमोदन पर, बोर्ड ने श्रमिक संघों को इस संकाय का व्यापक लाभ उठाने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से सहायता अनुदान योजना तथा इसकेÒ व्यय के पैटर्न को संशोधित कर दिया । संशोधित योजना 01.04.2005 से प्रभाव में आई।

14.19 बोर्ड, केन्द्रीय श्रमिक संघ संगठनों तथा राष्ट्रीय परिसंघों को राष्ट्रीय स्तर के पाठय़क्रमों हेतु सहायता अनुदान भी संस्वीकृत करता है । अप्रैल, 2006 से सितम्बर, 2006 की अवधि के दौरान, बोर्ड ने 25 संघों/संस्थाओं, जिन्होंने 2,888 कामगारों के लिए 61 कार्यक्रम आयोजित किये, को 5,84,692/- करोड़ रुपये की सहायता अनुदान राशि प्रदान की ।

हिन्दी का प्रयोग

14.20 अप्रैल, 2006 से सितम्बर, 2006 के दौरान बोर्ड के छः कर्मचारियों को राजभाषा

हिन्दी में टंकण कार्य करने के लिए प्रोत्साहन पुरस्कार प्रदान किया गया । बोर्ड की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तीन बैठकें हुइप और मुख्यालय, भारतीय श्रमिक शिक्षा संस्थान तथा सभी आंचलिक एवं क्षेत्रीय निदेशालयों में हिन्दी के प्रयोग में की गई प्रगति की समीक्षा की गई।

14.21 रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान, दो राजभाषा हिन्दी कार्यशालाओं का आयोजन किया गया जिनमें 21 शिक्षा अधिकारियों तथा समूह "ग" के 21 कर्मचारियों ने भाग लिया । कार्यशाला में उपस्थित सभी प्रतिभागियों को दैनंदिन सरकारी कामकाज राजभाषा हिन्दी में करने का प्रशिक्षण दिया गया । मुख्यालय, नागपुर, भारतीय श्रमिक शिक्षा संस्थान, मुंबई, जोनल क्षेत्रीय निदेशालयों में 15 सितम्बर, 2006 को हिन्दी दिवस जबकि 01 सितम्बर, 2006 से 15 सितम्बर, 2006 को हिन्दी पखवाड़ा मनाया गया । पखवाड़े के दौरान हिन्दी निबंध, टिप्पण/प्रारूप लेखन एवं सरल अनुवाद, सामान्य ज्ञान, श्रुतलेख आदि जैसी प्रतियोगिताएं आयोजित की गयीं जिनमें अधिकारियों तथा स्टाफ के सदस्यों ने भाग लिया ।

14.22 वर्ष 2005-06 के लिए बोर्ड की गृह पत्रिका "श्रम किरण" जिसमें बोर्ड के अधिकारियों तथा कर्मचारियों द्वारा लिखित लेख एवं कविताएं शामिल की गई हैं, मुद्रणाधीन है।

केन्द्रीय श्रमिक शिक्षा बोर्ड ने दो पुरस्कार प्राप्त किए

14.23 रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, नागपुर द्वारा केन्द्रीय श्रमिक शिक्षा बोर्ड, मुख्यालय, नागपुर को **श्रम किरण कार्यशाला विशेषांक** की उत्कृष्ट साज-सज्जा, विषय-वस्तु, मुद्रण हेतु प्रथम पुरस्कार तथा नागपुर स्थित केन्द्र सरकार के कार्यालयों में भारत सरकार की **राजभाषा नीति के कार्यान्वयन** हेतु द्वितीय पुरस्कार प्रदान किया गया ।

विभिन्न दिवसों का आयोजन

14.24 केन्द्रीय श्रमिक शिक्षा बोर्ड, मुख्यालय, भारतीय श्रमिक शिक्षा संस्थान, मुंबई तथा बोर्ड के सभी जोनल एवं क्षेत्रीय कार्यालयों में विशेष अवसरों पर निम्नलिखित दिवस मनाए गए। इस अवसर पर परिसंवाद, संगोष्ठी, विशेष व्याख्यान, फिल्म प्रदर्शनी, प्रतियोगिताओं इत्यादि का आयोजन किया गया । प्रशिक्षणार्थियों तथा कर्मचारी सदस्यों को आवश्यकतानुसार निम्नलिखित शपथ दिलाई गयी ः

- **आतंकवाद - विरोधी दिवस**
- **विश्व जनसंख्या दिवस**
- **स्वतंत्रता दिवस**
- **सद्भावना दिवस**
- **हिन्दी दिवस /हिन्दी पखवाड़ा**
- **कौमी एकता सप्ताह**

स्थापना दिवस समारोह

14.25 दिनांक 16 सितम्बर, 2006 को केन्द्रीय श्रमिक शिक्षा बोर्ड के मुख्यालय, नागपुर, भारतीय श्रमिक शिक्षा संस्थान,

मुंबई तथा क्षेत्रीय निदेशालयों ने केन्द्रीय श्रमिक शिक्षा बोर्ड के 48वें स्थापना दिवस को श्रमिक शिक्षा दिवस के रूप में मनाया। इस अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों/समारोहों का आयोजन किया गया । इस अवसर पर आयोजित समारोह में विभिन्न व्यवसाय के विशिष्ट व्यक्तियों ने उद्घाटन, विदाई-भाषण दिए ।

मुख्यालय, नागपुर ः श्री के.एस. महरोत्रा, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, मैंगनीज अयस्क इंडिया लि., नागपुर द्वारा श्रमिक शिक्षा दिवस का उद्घाटन किया गया । 16 सितम्बर, 2006 को केन्द्रीय श्रमिक शिक्षा बोर्ड के नागपुर स्थित मुख्यालय में श्रमिक शिक्षा दिवस समारोह का उद्घाटन करते हुए श्री महरोत्रा ने कहा, "केन्द्रीय श्रमिक शिक्षा बोर्ड, कामगारों को वैश्वीकरण से उत्पन्न चुनौतियों का सामना करने हेतु तैयार करने का एक सराहनीय कार्य करता रहा है ।" उन्होंने यह भी कहा कि कामगार और प्रबंधन एक ही सिक्के के दो पहलू हैं इसलिए दोनों को ही व्यवसाय के विकास के लिए **समन्वय, सहयोग, प्रतिस्पर्धा तथा उपभोक्ता संतुष्टि के चार स्तरीय दृष्टिकोण को अपनाना होता है ।**

बेहरामपुर ः पूर्व श्रम और रोजगार राज्य मंत्री श्री चन्द्रशेखर साहू ने इसकेÒ स्थापना दिवस अर्थात् श्रमिक शिक्षा दिवस-16 सितम्बर, 2006 के शुभ अवसर पर गंजम कला मंदिर, बेहरामपुर (उड़ीसा) में आयोजित एक समारोह में, एक नये क्षेत्रीय निदेशालय, बेहरामपुर (उड़ीसा) का उद्घाटन किया । श्री ए.डी. पाटिल, अध्यक्ष, केन्द्रीय श्रमिक शिक्षा बोर्ड, श्री वी परमेश्वरन निदेशक,

केन्द्रीय श्रमिक शिक्षा बोर्ड तथा अन्य गणमान्य व्यक्ति भी इस अवसर पर उपस्थित थे ।

प्रभाव

14.26 बोर्ड द्वारा संचालित विविध कार्यक्रमों के प्रभाव के बारे में प्रतिभागियों एवं प्रबंधन से फीडबैक लिया जाता है । फीडबैक से पता चला है कि प्रतिभागियों ने अनुशासन, उत्पादकता, उत्पादन लागत में कमी, वैश्विक प्रतिस्पर्धा का सामना करने के लिए गुणवत्ता में सुधार, विविध औद्योगिक समस्याओं तथा आर्थिक परिदृश्य में परिवर्तन आदि के महत्व को महसूस किया है ।

14.27 इन कार्यक्रमों से उनकी धारणा में परिवर्तन आया है और उन्होंने संगठन के हित को अपना हित समझा है । ग्रामीण शिविरों में प्रतिभागियों ने ग्रामीण श्रमिक संगठन, अल्प बचतों, स्वास्थ्य, सफाई, साक्षरता आदि के महत्व को भी महसूस किया और अनभिज्ञ लोगों में जागरण का संदेश देने का दायित्व लिया ।

14.28 पूर्व श्रम और रोजगार राज्य मंत्री ने बेहरामपुर (उड़ीसा) में केन्द्रीय श्रमिक शिक्षा बोर्ड के 50वें नये क्षेत्रीय निदेशालय का उद्घाटन किया । क्षेत्रीय निदेशालय ने श्रमिक शिक्षा योजना को क्रियान्वित करने के लिए सितम्बर, 2006 से अपना कार्य प्रारम्भ कर दिया ।

राष्ट्रीय श्रमिक शिक्षण पुरस्कार योजना

14.29 पूर्व श्रम और रोजगार राज्य मंत्री ने प्रत्येक जोन के सर्वश्रेष्ठ क्षेत्रीय

निदेशालय, सर्वश्रेष्ठ शिक्षा अधिकारी एवं समूह **ग** तथा **घ** की श्रेणी के अन्य नौ कर्मचारियों को भी श्रमिक शिक्षा पुरस्कार प्रदान किए तथा पुरस्कार विजेताओं को उनके श्रेष्ठ कार्य निष्पादन के लिए यह कहते हुए बधाई दी कि ऐसे निष्पादन पुरस्कारों से अधिकारियों में अपनी क्षमता साबित करने हेतु प्रतिस्पर्धा की भावना का निःसंदेह सृजन होगा ।

14.30 श्री अजीन्क्या पाटिल, अध्यक्ष, केन्द्रीय श्रमिक शिक्षा बोर्ड ने माननीय मंत्री जी तथा विशिष्ट अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति के लिए आभार प्रकट किया तथा यह शपथ लेने का अनुरोध किया कि वे श्रमिक शिक्षा को मिलजुल कर कार्य करने Òकी भावना, सद्भावना तथा प्रतिबद्धता की भावना पैदा करके गौरव के शिखर तक पहुँचायेंगे क्योंकि इससे न केवल श्रमिक शिक्षा बोर्ड का दायरा बढ़ेगा अपितु यह सही अर्थों में एक ऐसा आदर्श संगठन भी बनेगा जिससे दूसरे देश ईर्ष्या करें ।

14.31 श्री एस.के. श्रीवास्तव, संयुक्त सचिव ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए पुरस्कार विजेताओं को उनके उत्कृष्ट कार्य -निष्पादन के लिए बधाई दी तथा केन्द्रीय श्रमिक शिक्षा बोर्ड के कार्यचालन की यह विश्लेषण करते हुए सराहना की कि वैश्वीकरण की चुनौतियाँ तथा श्रम बल के सशक्तिकरण की आवश्यकता, कामगारों की रोजगार सुरक्षा तथा संगठन की उत्पादकता निर्णय लेने की प्रक्रिया में श्रमिकों की बराबर की भागीदारी में ही निहित है ।

14.32 उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता करते हुए सचिव (श्रम और रोजगार) ने स्पष्ट तरीके से वर्तमान आर्थिक परिदृश्य का चित्रण किया । श्री साहनी ने केन्द्रीय श्रमिक शिक्षा बोर्ड से अनुरोध किया कि वह सभी क्षेत्रों, खासकर असंगठित क्षेत्र के कामगारों को समय की चुनौतियों का मुकाबला करने के लिए तैयार करने हेतु व्यापक रूप से प्रयास करे । इससे पहले केन्द्रीय श्रमिक शिक्षा बोर्ड के निदेशक श्री वी. परमेश्वरम ने सभी उपस्थित महानुभावों का हार्दिक स्वागत करते हुए बोर्ड के विभिन्न कार्यकलापों के बारे में बताया तथा कहा कि यह केवल कामगारों और नियोजक संगठनों, सरकारों की पूरे मन से सहायता और केन्द्रीय श्रमिक शिक्षा बोर्ड परिवार के प्रत्येक सदस्य के समर्पित प्रयासों से ही संभव हो सका है ।

श्रमिक शिक्षा पर चौथी भारतीय कांग्रेस

14.33 बोर्ड ने गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली केन्द्र, जादवपुर विश्वविद्यालय, कोलकाता के सहयोग से "**गुणवत्ता, पर्यावरण, ऊर्जा एवं सुरक्षा प्रबंधन प्रणालियों के द्वारा संगठनात्मक उत्कृष्टता प्राप्त करने में श्रमिक शिक्षा की भूमिका**" विषय पर चौथी भारतीय कांग्रेस का आयोजन किया । निजी तथा सार्वजनिक क्षेत्रों से संबंधित विभिन्न उद्योगों, शैक्षणिक एवं अनुसंधान संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने कांग्रेस में भाग लिया । पूर्व श्रम और रोजगार मंत्री ने 15 दिसम्बर, 2005 को इस कांग्रेस का उद्घाटन किया । कांग्रेस का उद्घाटन करते हुए माननीय श्रम एवं रोजगार मंत्री ने उपस्थित जनसमूह से यह

अपील की "हम भारतीय हैं और हमें भारतीय के रूप में विकसित होना चाहिये तथा यह केवल तभी संभव हो सकता है जब हम श्रमजीवी वर्ग के अलावा महिलाओं के सशक्तीकरण तथा समाज के कमजोर वर्ग के उत्थान पर जोर दें ।"

14.34 डॉ. बालचन्द्र मुंगेकर, सदस्य, भारतीय योजना आयोग ने सारगर्भित भाषण दिया । इस अवसर पर गणमान्य व्यक्तियों और विभिन्न उद्योगों, श्रमिक संघों तथा सरकार के प्रतिनिधियों के अतिरिक्त श्री के.एम.साहनी, सचिव (श्रम एवं रोजगार), श्री जे.पी. सिंह, पूर्व विशेष सचिव (श्रम एवं रोजगार), श्री अजीन्क्या डी. पाटिल, अध्यक्ष, केन्द्रीय श्रमिक शिक्षा बोर्ड, प्रोफेसर ए.एन. बासु, उप कुलपति, जादवपुर विश्वविद्यालय, श्री वी. परमेश्वरम, निदेशक, केन्द्रीय श्रमिक शिक्षा बोर्ड, डॉ. साधन के. घोष, संस्थापक एवं कार्यकारी अध्यक्ष, गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली केन्द्र, जादवपुर विश्वविद्यालय उपस्थित थे ।

14.35 केन्द्रीय रक्षा मंत्री श्री प्रणव मुखर्जी द्वारा समापन भाषण के साथ 16 दिसम्बर, 2005 को कांग्रेस का समापन हुआ। अपने संबोधन में श्री मुखर्जी ने कहा कि ऊर्जा एवं पर्यावरण ऐसे महत्वपूर्ण कारक हैं जो निरन्तर विकास प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते हैं और इसीलिए हमारे उद्योगों को वैश्विक रूप से प्रतिस्पर्धा करने के लिए इस संबंध में सर्वोत्तम मानक अपनाने चाहिये । कामगारों, जो हमारे देश की रीढ़ हैं, के सशक्तीकरण में केन्द्रीय श्रमिक शिक्षा बोर्ड की भूमिका की

सराहना करते हुए, श्री मुखर्जी ने दृढ़ निश्चय के साथ यह कहा कि हमें अपनी उपलब्धि और विकास का निरन्तर मूल्यांकन करना चाहिए क्योंकि यह हमारी कमजोरियों को सुधारने में सहायक होगा साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि बोर्ड कामगारों को गुणवत्ता, अपशिष्ट नियंत्रण, उत्पादकता तथा सुरक्षा प्रबंधन के संबंध में जागरूक बनाने की दिशा में सराहनीय कार्य करता रहा है । दो दिवसीय यह कांग्रेस आत्मचिन्तन, गहरे लगाव तथा उद्योग में पणधारियों के अनुभवों के आदान-प्रदान और अभिव्यक्ति के लिए आधार सिद्ध हुई । कांग्रेस को सूचनापरक तथा शिक्षाप्रद बनाने के उद्देश्य से, विभिन्न शिक्षाविदों, प्राध्यापकों, प्रवक्ताओं तथा अनुसंधान वेत्ताओं ने कांग्रेस के विषय के विभिन्न पहलुओं पर अपने कागजात प्रस्तुत किए ।

14.37 श्री ए.डी.पाटिल, अध्यक्ष, केन्द्रीय श्रमिक शिक्षा बोर्ड, भारतीय मजदूर संघ के श्री केसुभाई ठक्कर, सीटू के डॉ. एम.के. पंधे, इंटक के श्री अशोक सिंह और केन्द्रीय श्रमिक शिक्षा बोर्ड के निदेशक श्री वी. परमेश्वरन तथा प्रोफेसर एस.के. घोष, कार्यकारी अध्यक्ष, गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली केन्द्र, जादवपुर विश्वविद्यालय भी इस अवसर पर मौजूद थे तथा उन्होंने उपस्थित जनसमूह को संबोधित किया ।

इन्डस बाल श्रम प्रोजेक्ट

14.38 2004-2005 के दौरान (30.10.2005 से), अन्तर्राष्ट्रीय श्रम संगठन-इन्डस बाल श्रम पर केन्द्रीय श्रमिक शिक्षा बोर्ड प्रोजेक्ट शुरू किया गया था जिसके अंतर्गत राज्यों अर्थात् दिल्ली, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र,

तमिलनाडु और उत्तर प्रदेश राज्यों के एन. सी. एल. पी. जिलों में बाल श्रमिकों के बीच जागरूकता बढ़ाने के लिए कार्य योजना तैयार की गई थी। हालांकि केन्द्रीय श्रमिक शिक्षा बोर्ड ने 1995 में अपने कुछ प्रशिक्षण कार्यक्रमों में बाल श्रम संबंधी विषय जोड़े थे, विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों में प्रतिभागियों के प्रकार और स्तर को ध्यान में रखते हुए चलाए जा रहे प्रशिक्षण कार्यक्रमों में इस प्रोजेक्ट के विभिन्न पहलुओं को कवर करने के लिए और विषय जोड़े जायेंगे ।

14.39 इसके 50 क्षेत्रीय निदेशालयों के माध्यम से जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर क्रियाकलापों में तीव्रता लाई जाएगी । इसके अलावा, केन्द्रीय श्रमिक शिक्षा बोर्ड बातचीत को सुविधाजनक बनाएगा तथा प्रोजेक्ट राज्यों के बीच अनुभव का आदान-प्रदान करेगा, प्रोजेक्ट स्टाफ को प्रशिक्षण देगा तथा बाल श्रम के उन्मूलन संबंधी सफलताओं का प्रचार-प्रसार करेगा ।

14.40 इसके अतिरिक्त, सी.बी.डब्ल्यू.ई. को राष्ट्रीय संसाधन प्रकोष्ठ के रूप में बनाया जाएगा जो दिल्ली, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, तमिलनाडु और उत्तर प्रदेश राज्यों में इन्डस बाल श्रम प्रोजेक्ट के तहत एन सी एल पी राज्यों में बाल श्रम के संबंध में राज्य संसाधन प्रकेष्ठों के कार्यकलापों की मानिटरिंग और समन्वय करेगा ।

14.41 कार्य योजना कार्यक्रम के एक हिस्से के रूप में, वर्ष 2004-2005 तथा 2005-2006 के दौरान निम्नलिखित

कार्यकलाप आयोजित किए गए (सितम्बर, 2006 तक) ः

- फिल्म शो के आयोजन, विचार-विमर्शों, रैलियों, संगोष्ठियों आदि के जरिये लाभान्वित करने के तरीके से केन्द्रीय श्रमिक शिक्षा बोर्ड के सभी 49 क्षेत्रीय कार्यालयों तथा भारतीय श्रमिक शिक्षा संस्थान द्वारा बाल श्रम विरोधी विश्व दिवस मनाया गया । विभिन्न क्षेत्रों से ख्यातिप्राप्त व्यक्तियों ने समारोहों का उद्घाटन किया ।
- इंडस बाल श्रम परियोजना वाले राज्यों के प्रभारी शिक्षा अधिकारियों के लिए भोपाल में 4 से 6 अक्तूबर, 2006 तक एक कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें मध्य प्रदेश के राज्यपाल डॉ. बलराम जाखड़ ने कार्यशाला का उद्घाटन किया । श्री राकेश बंसल, प्रधान सचिव, मध्य प्रदेश सरकार भी उद्घाटन सत्र में उपस्थित थे ।

14.42 1 जुलाई, 2005 से 30 सितम्बर, 2006 तक की अवधि के दौरान, इस बाल श्रम परियोजना के अंतर्गत केन्द्रीय श्रमिक शिक्षा बोर्ड ने 32,152 बाल श्रमिकों /बाल श्रमिकों के माता-पिता के लिए आयोजित किये गये हैं ।

श्रम जगत में एच.आई.वी./एड्स रोकथाम पर अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन-केन्द्रीय श्रमिक शिक्षा बोर्ड की परियोजना-एक त्रिपक्षीय प्रतिक्रिया

“श्रम जगत में एच.आई.वी./एड्स रोकथाम-एक त्रिपक्षीय प्रतिक्रिया” पर परियोजना के एक भाग के रूप में एच.आई.वी./एड्स रोकथाम पर अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन के सहयोग से परियोजना वाले राज्यों में ब्लाक स्तर पर एच.आई.वी./एड्स अंतःक्षेप विकसित करने हेतु आयोजना बैठकों पर 8 शिक्षा अधिकारियों के लिए एक अभिविन्यास कार्यशाला का द. एशिया के नई दिल्ली स्थित, उप-क्षेत्रीय कार्यालय में 1 व 2 जून, 2006 को आयोजन किया गया ताकि श्रमजीवी वर्ग को इस भयंकर बीमारी के प्रतिघातों से आगे सचेत किये जाने हेतु विषय पर अपेक्षित जानकारी प्रदान की जा सके ।

परियोजना के प्रारम्भ से (जून, 2003 से सितम्बर, 2006 तक) बोर्ड ने एच.आई.वी./एड्स पर 11,31,661 कामगारों (2,63,222 संगठित क्षेत्र से, 5,30,570 असंगठित क्षेत्र से तथा 3,37,869 ग्रामीण क्षेत्र से) लाभान्वित किये हैं ।

रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान अन्तर्राष्ट्रीय श्रम संगठन की सहायता से प्रोजेक्ट के अन्तर्गत केन्द्रीय श्रमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा एच.आई.वी./एड्स पर सूचना, शिक्षण और संचार सामग्री लीफलेट, फ्लिप बुक, पोस्टर तथा बुकलेट के रूप में प्रकाशित की गइप।

*****

तालिका **14.1**

श्रमिक शिक्षा योजना के अंतर्गत आयोजित पाठ्य़क्रम

क्र.सं.	राष्ट्रीय स्तर	क्षेत्रीय स्तर	इकाई स्तर	विशिष्ट श्रेणियाँ
1.	शिक्षा अधिकारी प्रशिक्षण एवं पुनः प्रशिक्षण पाठ्य़क्रम	प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण	इकाई स्तर की कक्षाएं	कार्यात्मक प्रौढ़ साक्षरता कक्षाएं
2.	के. श्र. शि. बोर्ड समूह 'ग' व 'घ' के कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	व्यक्तित्व विकास कार्यक्रम	आवश्यकता पर आधारित विशेष कार्यक्रम	असंगठित श्रमिकों के लिए संचेतना शिविर (4 दिवसीय)
3.	श्रमिक संघ कार्यकर्ताओं के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	संयुक्त शैक्षिक कार्यक्रम (3 दिवसीय)	संयुक्त शैक्षिक कार्यक्रम (2 दिवसीय)	कमजोर वर्ग के लिए संचेतना शिविर (4 दिवसीय)
4.	प्रबंधन में श्रमिकों की भागीदारी-भारत सरकार, श्रम मंत्रालय द्वारा प्रायोजित	स्वयंकोष निर्माण के अंतर्गत कार्यक्रम (1-2-3 दिवसीय)	प्रशिक्षित श्रमिकों के लिए संयंत्र स्तर पर कार्यक्रम (1 दिवसीय)	ग्रामीण कामगारों के लिए संचेतना शिविर (4 दिवसीय)
5.	नेतृत्व कौशल	आवश्यकता पर आधारित		ग्रामीण जागरूकता शिविर (2 दिवसीय)

		परिसंवाद (2 दिवसीय)		
6.	प्रभावी सेवा हेतु जनसंपर्क	श्रमिकों एवं उनके जीवनसाथियों के लिए जीवन की गुणवत्ता (4/2 दिवसीय)		निम्न हेतु विशेष परिसंवाद (2 दिवसीय)
7.	युवा कामगारों के समक्ष समस्याएं व चुनौतियाँ			क)असंगठित कामगार
8.	संगठनात्मक उत्कृष्टता			ख)महिला कामगार
9.	संगठनात्मक सशक्तिकरण			ग) अ.जा./अ.ज.जा. कामगार
10.	औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा			घ) बाल श्रमिकों के अभिभावक/बाल श्रमिक
11.	मानवीय सशक्तिकरण			ड.) श्रम कल्याण एवं विकास
12.	ग्राहक संतुष्टि			
13.	सामाजिक सुरक्षा			
14.	महिला सशक्तिकरण तथा राष्ट्रीय			

	विकास			

		तालिका 14.2
राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रमों का ब्यौरा		
कार्यक्रम का नाम	**कार्यक्रमों की संख्या**	**प्रतिभागियों की संख्या**
1	**2**	**3**
व्यवसायों संघों के प. रेलवे कर्मचारी संघ, सी.टी.यू. ओ., सी.आर. एम.एस., एच.एम.एस. इंटक तथा बी.एम.एस. जैसे संगठनों के क्रियाकलापों संबंधी उन्नत प्रशिक्षण कार्यक्रम	18	462
बोर्ड के समूह "ग" तथा "घ" कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	1	16
केन्द्रीय श्रमिक शिक्षा बोर्ड के शिक्षा अधिकारियों के लिए पुनश्चर्या पाठ्यक्रम	1	29
कुल	**20**	**507**

तालिका **14.3**

वर्ष **2005-2006** की अवधि के दौरान केन्द्रीय श्रमिक शिक्षा बोर्ड की गतिविधियाँ

गतिविधि	लक्ष्य **2005-2006**	**1.4.2006** से **30.9.2006** तक की उपलब्धियाँ	
		कार्यक्रम	प्रतिभागी
क्षेत्रीय स्तर			
प्रशिक्षिकों का प्रशिक्षण (डेढ़ माह)	11	3	57
व्यक्तित्व विकास कार्यक्रम (21 दिवसीय)	88	59	1,610
प्रशिक्षकों के लिए पुनश्चर्या पाठ्यक्रम (एक सप्ताह)	11	4	73
भागीदारी प्रबंधन पर संयुक्त शैक्षिक कार्यक्रम (3 दिवसीय)	93	55	1,242
स्वयंकोष निर्माण कार्यक्रम (3 दिवसीय)	51	18	326
स्वयंकोष निर्माण कार्यक्रम (2 दिवसीय)	556	389	7,579
स्वयंकोष निर्माण कार्यक्रम (1 दिवसीय)	96	81	1,529
विशेष स्वयंकोष निर्माण कार्यक्रम		7	132
आवश्यकता पर आधारित परिसंवाद (2 दिवसीय)	435	245	5,880
श्रमिकों एवं उनके जीवनसाथियों के लिए	53	7	262

जीवन की गुणवत्ता (4 दिवसीय)			
श्रमिकों एवं उनके जीवनसाथियों के लिए जीवन की गुणवत्ता (2 दिवसीय)	162	41	1,544
संयंत्र स्तर पर परिसंवाद (एक दिवसीय)	93	57	1,912
इकाई स्तर			
अंशकालीन इकाई स्तर की कक्षाएं (3माह/3सप्ताह/1माह/डेढ़ माह)	212	57	1,399
उद्यम स्तर पर संयुक्त परिषदों के नए सदस्यों के लिए संयुक्त शैक्षिक कार्यक्रम (2 दिवसीय)	442	251	6,349
आवश्यकता पर आधारित विशेष कार्यक्रम (1 सप्ताह)	2	4	100
कार्यात्मक प्रौढ़ साक्षरता कक्षाएं	44	4	85
असंगठित क्षेत्र			
असंगठित श्रमिकों/दुर्बल वर्ग के श्रमिकों के लिए संचेतना शिविर (4 दिवसीय)	520	186	7,246
अंसंगठित क्षेत्र के लिए विशेष परिसंवाद (2 दिवसीय)	438	277	10, 819
महिला कामगारों के लिए विशेष परिसंवाद (2 दिवसीय)	447	313	12,250
बाल श्रमिकों के अभिभावकों/बाल श्रमिकों के लिए विशेष परिसंवाद (2 दिवसीय)	333	130	5,062

बाल श्रमिकों के लिए विशेष संवाद (2 दिवसीय)	434	159	6,252
अ.जा./अ.ज.जा. के श्रमिकों के लिए विशेष परिसंवाद (2 दिवसीय)	420	168	6,607
पत्थर खदान श्रमिकों के लिए विशेष संवाद (2 दिवसीय)	10	7	280
श्रम कल्याण एवं विकास कार्यक्रम (2 दिवसीय)	700	429	16,888
कामगारों एवं उनके जीवनसाथियों के लिए जीवन की गुणवत्ता (4 दिवसीय)	132	38	1, 450
कामगारों एवं उनके जीवनसाथियों के लिए जीवन की गुणवत्ता (2 दिवसीय)	293	78	2,958
ग्रामीण क्षेत्र			
ग्रामीण जागरूकता शिविर (2 दिवसीय)	1931	658	25,747
ग्रामीण कामगारों के लिए संचेतना शिविर (4 दिवसीय)	242	59	2,347
कुल	**8,249**	**3,769**	**1,27,668**